

आओ आओ री सखी दर्शन करने साईं साहिब की सवारी आवत है॥

सन्त कृपा का छत्र बिराजत श्रीगरीबिड़ी चंवर झुलावत है॥

मोद विनोद सों गोद बिराजत श्रीसियाराम सलोने।

मधुर मधुर मुस्कान मनोहर करते हैं जादू टोने।

सुर मुनि गान करत जै जै धुनि फूल माला बरसावत है॥१॥

रमा रमेश गरुड़ पर राजत नन्दी उमा महेश।

सावित्री ब्रह्मा हंस पर आवें एरावत शची सुरेश।

मूसे मोर पर गणेश कार्तिक ताल पै नाच नचावत है॥२॥

चित चौद्रोल पर स्वामिनि माधो प्रेम महा रस भीने।

आनंद ओ अहिलाद उमंग सों गलि बहियां दोऊ दीने।

प्यारी ताल मिलावत पल पल प्रीतम वेणु बजावत है॥३॥

भरत भारती लखण आरती कहत करत सहलासा।

रक्षक रूप में श्री रिपुदमना सजग चलत प्रभु पासा।

अद्भुत झांकी निरिख मनोहर जड़ चेतन हिय हर्षवित है॥४॥

प्रेम प्रताप साईं साहिब का कोट चंद्र ज्यूं चमके।

सहस सुधा धारा सम नित नित दासनि दिलि में दमके।

गरीबि श्रीखण्डि जोड़ी जीओ सब गद् गद् कंठ सों गावत है॥५॥

